नसा गन्धवका नंस्या नासिका गन्धनासिका।

Str. 581, 20. म्राष्ठि तु द्शनात्तिष्ठे रसाले पीचवागृत्तम् ॥ १२०॥

Str. 583, 28. श्मश्रुणि व्यञ्जनं कारः

Str. 584, 32.

Str. 585, 34. तिद्धा तु रिसका रस्त्रा च रसमातृका ॥ १२१ ॥ र्साका क्ललना च

Str. 585, 35.

वक्रदलं तु तालुनि।

Str. 586, 39. अवरा त् ।शरुःपाठ

Str. 590, 52.

कफणा रित्रपृष्ठकम् ॥ १२२ ॥

Str. 5552, 29.

Sir. 570, 85.

बाङ्गपबाङ्गसाधश्च

Str. 591, 56.

क्स्ते भ्राद्लाः सलाः ।

Str. 600, 84. म्रथ व्यापामे वियामः स्पाद्वाङचापस्तनूनलः ॥ १२३॥

Str. 603, 91. व्यासकं मर्मचरं गुणाधिष्ठानकं त्रसः ।

Str. 603, 93. स्तना त् धारणा

Str. 603, 94.

म्रये तयाः पिप्पलमेचका ॥ १२८ ॥

Str. 604, 95. तठरे मलुका रामरताधारः

Str. 605, 98.

।। स्यताम्यं कृप्षं ल्रोमं

Str. 606, 5.

म्रथ नाभा पुतारिका ॥ १२५ ॥

सिरामूलं

Str. 608, 13. किरक्षा कृच्छलिङ्गा रताम्बुके।

Str. 610, 19. शिम्ने तु लाङ्गलं शङ्कु लाङ्गलं शेफशेफसी ॥ १२६ ॥

Str. 622, 54. र्ते तु साध्यकीलाले विकास किला है।

Str. 623, 57.